विद्या भवन बालिका विद्यापीठ

शक्ति उत्थान आश्रम लखीसराय

विषय संस्कृत 10 नंवबर 2020

वर्ग सप्तम राजेश कुमार पाण्डेय

एन० सी० ई० आर० टी० पर आधारित ।

एकादशः पाठः

यक्षः युधिष्ठिरः संवाद

यक्षः - किंस्वित् गुरूतरं भूमेः किंस्विदुच्चतरं च खात्?

किंस्वित् शिध्रतरं वातात् किंस्वित् बहुतरं तृणात्?

हिंदी अर्थ- यक्ष युधिष्ठिर से पूछता है? भूमि से महान क्या है? आकाश से ऊंचा क्या है? वायुसे अधिक तीव्रगामी क्या है? और तिनका से पतला क्या है?

युधिष्ठिरः - माता गुरूतरा भूमः खात् पितोच्चतरस्तया।

मनः शीध्रतरं वातात् चिन्ता बहुतरी तृणात्।।

हिंदी अर्थ- पृथ्वी से अधिक भारी माता है। आकाश से अधिक ऊंचा पिता है। वायु से अधिक शीघ्र गामी मन है। तिनके से अधिक पतला चिंता है।

यक्षः - किंस्वित् प्रवसतो मित्रं किंस्वित् मित्रं गृहे सतः?

आतुरस्य च किं मित्रं किंस्वित् मित्रं मरिष्यति? ।

हिंदी अर्थ- प्रवास में रहने वाले का मित्र कौन होता है? घर में रहने वाले का मित्र कौन होता है? रोगी का मित्र कौन होता है? मरने वाला का मित्र कौन होता है?